भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3123
गुरुवार, 7 अगस्त, 2025/16 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तनों पर सौर पैनलों की स्थापना

3123. श्री अनूप संजय धोत्रे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने देश भर के विमानपत्तनों पर सौर पैनल लगाकर कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) कुल कितने विमानपत्तनों पर सौर पैनल लगाए गए हैं और इनकी कुल क्षमता कितनी है तथा इस पहल से कार्बन उत्सर्जन में कितनी कमी आने का अनुमान है;
(ग) सरकार द्वारा देश भर के विमानपत्तनों पर सौर पैनल लगाने के लिए कुल कितना व्यय किया गया है; और
(घ) क्या सरकार का भविष्य में अन्य विमानपत्तनों पर भी सौर पैनल लगाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इनके पूरा होने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने देश में हवाईअड्डों पर कार्बन तटस्थता की दिशा में काम करने के लिए पहल की हैं और भारतीय हवाईअड्डों के कार्बन एकाउंटिंग एवं रिपोर्टिंग ढाँचे को मानकीकृत करने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन शमन पर जागरूकता पैदा करने के लिए ज्ञान साझाकरण सत्र आयोजित किए हैं। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित परिचालनों वाले सभी प्रचालनरत हवाईअड्डों और आगामी ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकासकर्ताओं को कार्बन तटस्थता और नेट ज़ीरो प्राप्त करने की दिशा में काम करने की सलाह दी गई है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ हरित ऊर्जा का उपयोग भी शामिल है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) सहित हवाईअड्डा प्रचालकों ने हवाईअड्डों पर हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु हरित और नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और स्व-उपभोग के लिए विभिन्न स्थानों/हवाईअड्डों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ हवाईअड्डे ओपन एक्सेस के माध्यम से भी हरित ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। अन्य पहलों में हरित भवन मानकों के अनुसार भवन डिज़ाइन को अपनाना, पारंपरिक वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करना, ऊर्जा कुशल हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी), लाइटिंग और बैगेज हैंडलिंग प्रणाली आदि शामिल हैं।

आज की तारीख तक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 65 हवाईअड्डों पर लगभग 59 मेगावाट की संचयी क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। इन सौर संयंत्रों की स्थापना से कार्बन उत्सर्जन में अनुमानित कमी लगभग 52,300 टी सीओ2 ई प्रति वर्ष है। हवाईअड्डों पर सौर पैनलों की स्थापना संबंधित हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा की जाती है। भारतीय

विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (ऐरा) प्रमुख हवाईअड्डों की टैरिफ निर्धारण प्रक्रिया के दौरान हरित ऊर्जा परियोजनाओं, कार्बन तटस्थता आदि से संबंधित पूंजीगत व्यय को ध्यान में रखता है। आज की तारीख तक, 88 हवाईअड्डे 100% नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) पर प्रचालित हो रहे हैं।

*****